



GENERAL / FINANCIAL BANKING AWARENESS & STATIC GK

Budget Concept

SBI PO 2021 | IBPS PO & CLERK 2021


DAY - 18

1:00 PM



BUDGET

- The word Budget 1st time introduced by British Finance Minister **Sir Robert Val Paul** In **1733**.
- The word “**Budget**” was derived from Middle French “**bougette**—meaning a leather bag.
- The Budget system was first introduced in India on **7th April, 1860**.
- The first Indian Budget was presented by **James Wilson** on **February 18, 1869**.

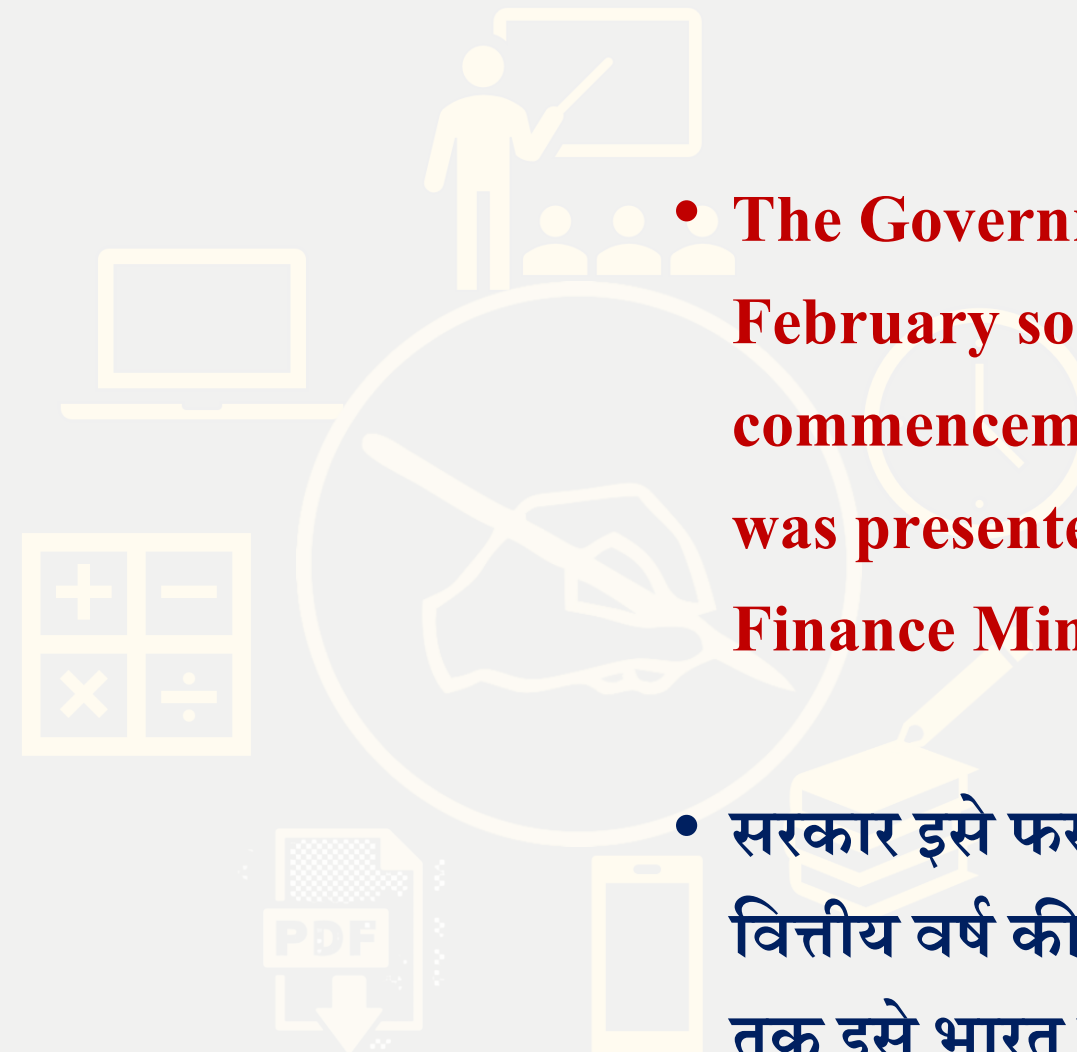
- 
- बजट शब्द पहली बार ब्रिटिश वित्त मंत्री सर रॉबर्ट वैल पॉल द्वारा 1733 में पेश किया गया था।
 - "बजट" शब्द मध्य फ्रेंच "बौगेट" से लिया गया था - जिसका अर्थ है चमड़े का थैला।
 - भारत में पहली बार बजट प्रणाली 7 अप्रैल, 1860 को पेश की गई थी।
 - पहला भारतीय बजट 18 फरवरी, 1869 को जेम्स विल्सन द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

BUDGET Meaning

It is an estimation of the revenue and expenses over a specified future period of time. A budget can be made for a person, family, group of people, business, government, country. A budget is prepared to have effective utilization of funds.

BUDGET का अर्थ भविष्य की निर्दिष्ट अवधि में राजस्व और व्यय का अनुमान है। एक व्यक्ति, परिवार, लोगों के समूह, व्यवसाय, सरकार, देश के लिए बजट बनाया जा सकता है। निधियों के प्रभावी उपयोग के लिए एक बजट तैयार किया जाता है।

- **The word 'Budget' has not been used in the Indian constitution, in the Indian constitution the annual financial statement has been kept in place of the budget.**
- **Annual Financial Statement is a document presented to the Parliament every financial year as a part of the Budget Process under Article 112 of the constitution of India.**
- भारतीय संविधान में 'बजट' शब्द का प्रयोग नहीं किया गया है, भारतीय संविधान में बजट के स्थान पर वार्षिक वित्तीय विवरण रखा गया है।
- वार्षिक वित्तीय विवरण भारत के संविधान के अनुच्छेद 112 के



- **The Government presents it on the first day of February so that it could be materialized before the commencement of new financial year in April. Till 2016 it was presented on the last working day of February by the Finance Minister of India in Parliament.**

- सरकार इसे फरवरी के पहले दिन पेश करती है ताकि अप्रैल में नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत से पहले इसे अमल में लाया जा सके। 2016 तक इसे भारत के वित्त मंत्री द्वारा फरवरी के अंतिम कार्य दिवस पर संसद में पेश किया जाता था।

- **The Railway Budget was presented every year, a few days before the Union budget of India, till 2016. The Government on 21 September 2016 approved merger of the Rail and General budgets from next year, ending a 92-year-old practice of a separate budget for the nation's largest transporter.**

- **2017- Railway Restructuring Committee- Bibek Debroy**

- रेल बजट 2016 तक भारत के केंद्रीय बजट से कुछ दिन पहले हर साल पेश किया जाता था। सरकार ने 21 सितंबर 2016 को रेल और आम बजट के विलय को अगले साल से मंजूरी दे दी थी, जो देश के सबसे बड़े ट्रांसपोर्टर के लिए अलग बजट की 92 साल पुरानी प्रथा को समाप्त कर

- **Finance Minister is the head of the budget making committee. The budget is prepared by the Budget Division Department of Economic Affairs of the Ministry of Finance annually.**
- **The first budget of India was submitted on 18 February, 1869 by James Wilson.**
- **The first Union budget of independent India was presented by R. K. Shanmukham Chetty on November 26, 1947.**
- बजट निर्माण समिति के अध्यक्ष वित्त मंत्री होते हैं। बजट वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के बजट प्रभाग द्वारा प्रतिवर्ष तैयार किया जाता है।
- भारत का पहला बजट 18 फरवरी, 1869 को जेम्स विल्सन द्वारा प्रस्तुत किया गया था।
- स्वतंत्र भारत का पहला केंद्रीय बजट आर के षणमुखम चेट्टी द्वारा 26 नवंबर,



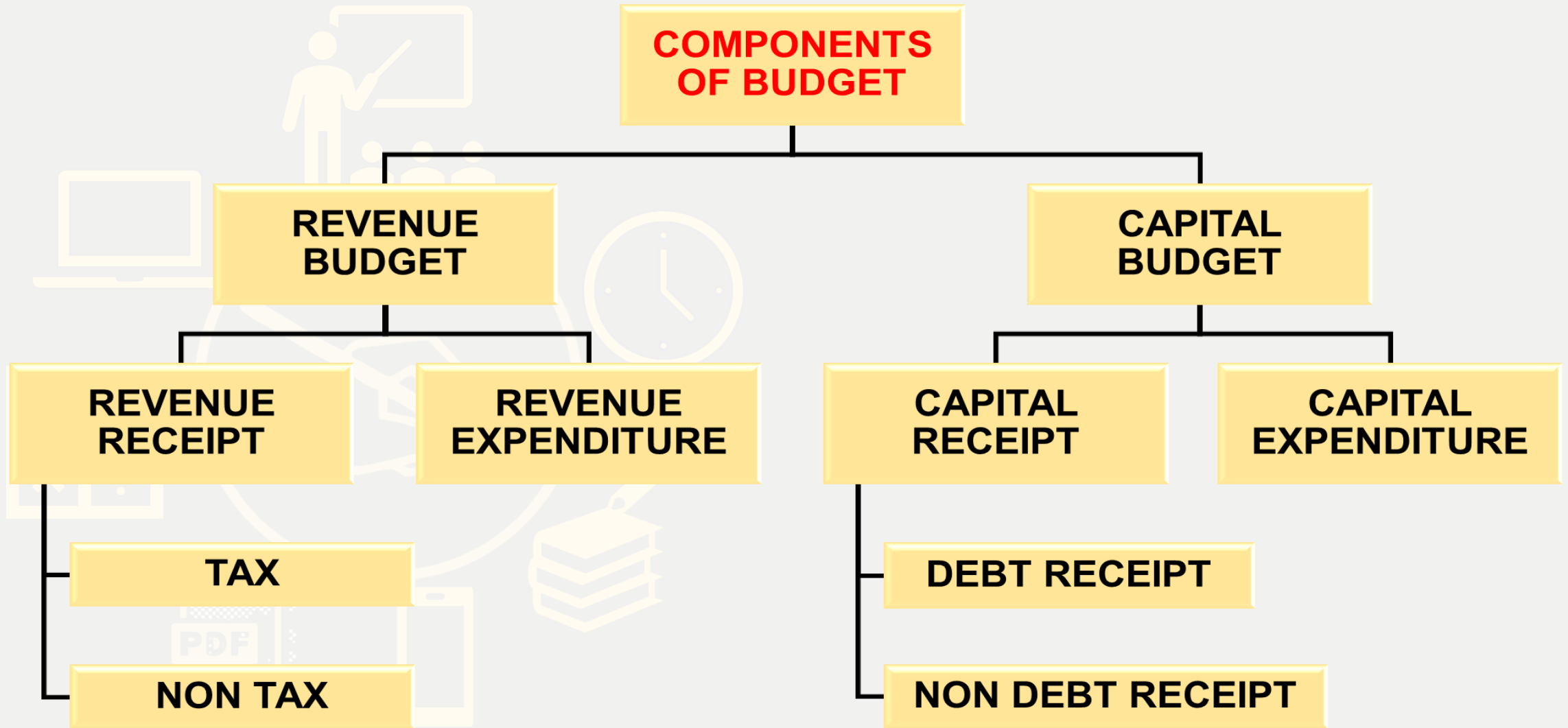
Budget Preparation

- **Department of Expenditure**
- **Department of Revenue**
- **DIPAM (Department of Public & Asset Management)**
- **Department of economic Affairs**
- **Finance ministry**

Types of Budget

- **Balanced budget ($I=E$)**
- **Unbalanced budget ($I>E$, $E>I$)**
- **Interim budget**
- **Gender budget**






1. Revenue Receipts / राजस्व प्राप्तियां

Revenue receipts are divided into tax and non-tax revenues.

Tax revenues - Tax revenues consist of the proceeds of taxes and other duties levied by the central government. Tax revenues, an important component of revenue receipts, comprise of

Direct taxes – which fall directly on individuals (personal income tax) and firms (corporation tax),

Indirect taxes like excise taxes (duties levied on goods produced within the country), customs duties (taxes imposed on goods imported into and exported out of India) and service tax



राजस्व प्राप्तियों को कर और गैर-कर राजस्व में विभाजित किया गया है। कर राजस्व - कर राजस्व में केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए करों और अन्य शुल्कों की आय शामिल होती है। कर राजस्व, राजस्व प्राप्तियों का एक महत्वपूर्ण घटक है, जिसमें शामिल हैं:

प्रत्यक्ष कर - जो सीधे व्यक्तियों (व्यक्तिगत आयकर) और फर्मों (निगम कर) पर पड़ता है,

अप्रत्यक्ष कर जैसे उत्पाद कर (देश के भीतर उत्पादित वस्तुओं पर लगाए गए शुल्क), सीमा शुल्क (भारत में आयात और निर्यात किए गए माल पर लगाए गए कर) और सेवा कर।

2. **Non-tax revenue** of the central government mainly consists of Interest receipts (on account of loans by the central government which constitutes the single largest item of non-tax revenue)

- Dividends and profits on investments made by the government Fees and other receipts for services rendered by the government.
- Cash grants-in-aid from foreign countries and international organizations are also included.
- Challan , license , fines, penalties etc.

- केंद्र सरकार के गैर-कर राजस्व में मुख्य रूप से ब्याज प्राप्तियां शामिल होती हैं (केंद्र सरकार द्वारा ऋण के कारण जो गैर-कर राजस्व की सबसे बड़ी मद का गठन करती है)
- सरकार द्वारा किए गए निवेश पर लाभांश और लाभ सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के लिए शुल्क और अन्य प्राप्तियां।
- विदेशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से नकद अनुदान सहायता भी शामिल है राजस्व प्राप्तियों के अनुमान वित्त विधेयक में किए गए कर प्रस्तावों के प्रभावों को ध्यान में रखते हैं।

Revenue Expenditure

- It neither create an asset nor cause a reduction in liabilities.
- It is regular and recurring in nature.
- Expenditure incurred on normal recurring of the government departments and Maintenance of services is treated as revenue expenditure.
- Traditionally, all grants given to state governments are treated as revenue expenditure.

Eg – salaries , subsidies , pension, interest payment on past debt.

राजस्व व्यय

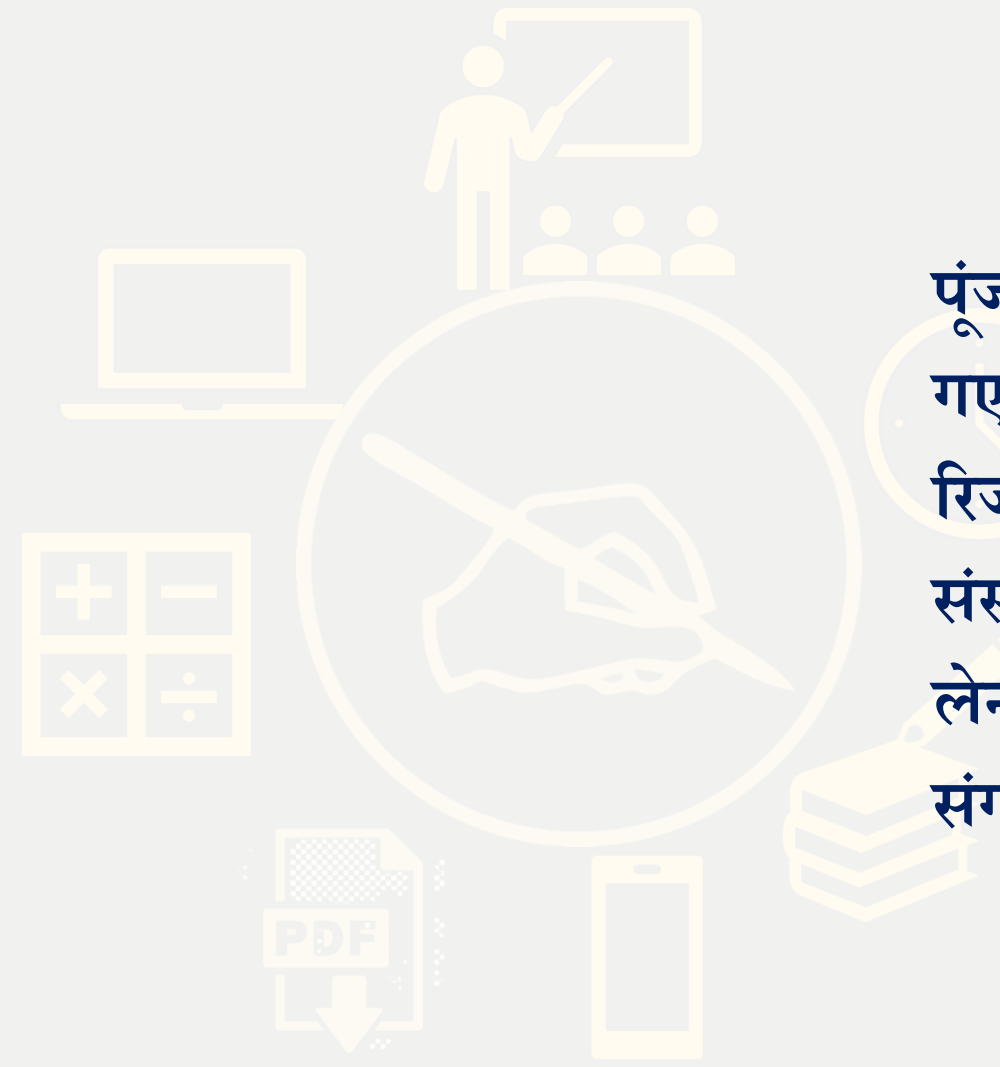
राजस्व व्यय में सरकार के वे सभी व्यय शामिल होते हैं जिनके परिणामस्वरूप भौतिक या वित्तीय संपत्ति का निर्माण नहीं होता है।

यह सरकारी विभागों और विभिन्न सेवाओं के सामान्य कामकाज, सरकार द्वारा किए गए ऋण पर ब्याज भुगतान, और राज्य सरकारों और अन्य पार्टियों को दिए गए अनुदान (भले ही कुछ अनुदान संपत्ति के निर्माण के लिए हो) के लिए किए गए खर्चों से संबंधित है।)



Capital Receipts

The main items of capital receipts are loans raised by the government from the public which are called market borrowings, borrowing by the government from the Reserve Bank and commercial banks and other financial institutions through the sale of treasury bills, loans received from foreign governments and international organizations, and recoveries of loans granted by the central government.



पूंजी प्राप्तियों की मुख्य वस्तुएं सरकार द्वारा जनता से लिए गए ऋण हैं जिन्हें बाजार उधार कहा जाता है, सरकार द्वारा रिजर्व बैंक और वाणिज्यिक बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों से ट्रेजरी बिलों की बिक्री के माध्यम से उधार लेना, विदेशी सरकारों से प्राप्त ऋण और अंतर्राष्ट्रीय संगठन, और केंद्र सरकार द्वारा दिए गए ऋणों की वसूली।

Capital Expenditure

Capital expenditure refers to the expenditure which either creates an asset or causes a reduction in the liabilities of the Government. Ex.- Loan to states and Union Territories, Expenditure on Building, Roads, Flyovers, Factories, etc. Purchase of machinery, etc. Repayment of borrowings, etc.

Capital Expenditure

- **It is non-recurring in nature.**
- **It is incurred for the acquisition of capital assets.**
- **It is generally a long period expenditure.**

पूंजीगत व्यय

इसमें भूमि, भवन, मशीनरी, उपकरण, शेयरों में निवेश, और केंद्र सरकार द्वारा राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सरकारों, सार्वजनिक उपक्रमों और अन्य पार्टियों को ऋण और अग्रिम के अधिग्रहण पर खर्च शामिल है। पूंजीगत व्यय को भी बजट दस्तावेजों में योजना और गैर-योजना के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

Various Indicators of Deficit in the Budget

There can be different types of deficit in a budget depending upon the types of receipts and expenditure.

These are:

Budget Deficit

A budget deficit occurs whenever a government spends more than it makes, which is nearly every year.

* **Budget deficit = Total expenditure – Total receipts**

बजट में घाटे के विभिन्न संकेतक

प्राप्तियों और व्यय के प्रकार के आधार पर बजट में विभिन्न प्रकार के घाटे हो सकते हैं। ये हैं:

बजट घाटा एक बजट घाटा तब होता है जब कोई सरकार जितना खर्च करती है उससे अधिक खर्च करती है।

***बजट घाटा = कुल व्यय - कुल प्राप्तियां**

Revenue Deficit

Revenue is the amount of money that a company actually receives during a specific period, usually from the sale of goods and services to customers. So Revenue deficit is excess of total revenue expenditure of the government over its total revenue receipts.

*** Revenue deficit = Revenue expenditure – Revenue receipts**

Revenue deficit signifies that government's own earning is insufficient to meet normal functioning of government departments and provision of services. So it leads to borrowing and sale of its assets.

राजस्व घाटा

राजस्व वह राशि है जो एक कंपनी वास्तव में एक विशिष्ट अवधि के दौरान प्राप्त करती है, आमतौर पर ग्राहकों को वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री से। इसलिए राजस्व घाटा सरकार के कुल राजस्व व्यय से उसकी कुल राजस्व प्राप्तियों से अधिक है।

- **राजस्व घाटा = राजस्व व्यय - राजस्व प्राप्तियां**

राजस्व घाटा दर्शाता है कि सरकार की अपनी कमाई सरकारी विभागों के सामान्य कामकाज और सेवाओं के प्रावधान को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है। तो यह अपनी संपत्ति के उधार और बिक्री की ओर जाता है।

Fiscal Deficit

A fiscal deficit occurs when a government's total expenditures exceed the revenue that it generates, excluding money from borrowings. It is an indication of the total borrowings needed by the government.

*** Fiscal deficit = Total expenditure – Total receipts (excluding borrowings)**

A deficit is usually financed through borrowing from either the central bank of the country or raising money from capital markets by issuing different instruments like treasury bills and bonds

राजकोषीय घाटा

राजकोषीय घाटा तब होता है जब सरकार का कुल व्यय उस राजस्व से अधिक हो जाता है जो वह उत्पन्न करता है, उधार से धन को छोड़कर। यह सरकार द्वारा आवश्यक कुल उधारी का एक संकेत है।

राजकोषीय घाटा = कुल व्यय – (उधार को छोड़कर) कुल प्राप्तियां

एक घाटा आमतौर पर देश के केंद्रीय बैंक से उधार लेने या ट्रेजरी बिल और बांड जैसे विभिन्न उपकरणों को जारी करके पूंजी बाजार से धन जुटाने के माध्यम से वित्तपोषित होता है।



Primary Deficit

Primary Deficit that shows the difference between fiscal deficit and interest payments on previous borrowings.

*** Primary Deficit = Fiscal deficit – interest payments**

Primary Deficit shows how much the government has to borrow in the current period to pay interest on borrowings of previous period.

प्राथमिक घाटा

प्राथमिक घाटा जो पिछले उधारों पर राजकोषीय घाटे और ब्याज भुगतान के बीच अंतर को दर्शाता है।

प्राथमिक घाटा = राजकोषीय घाटा - ब्याज भुगतान

प्राथमिक घाटा दर्शाता है कि पिछली अवधि के उधार पर ब्याज का भुगतान करने के लिए सरकार को वर्तमान अवधि में कितना उधार लेना है।

Effective Revenue Deficit

Effective revenue deficit is defined as the difference between the revenue deficit and the grants for creation of capital assets.

*** Effective revenue Deficit = Revenue Deficit – grants for the creation of capital assets**

Grants for creation of capital assets are defined as “the grants-in-aid given by the Central Government to the State Governments, constitutional authorities or bodies, autonomous bodies and other scheme implementing agencies for creation of capital assets which are owned by the said entities”, like grants given under MGNREGA , PM Gram Sadak Yojana, etc.

प्रभावी राजस्व घाटा

प्रभावी राजस्व घाटे को राजस्व घाटे और पूंजीगत संपत्ति के निर्माण के लिए अनुदान के बीच के अंतर के रूप में परिभाषित किया गया है।

*** प्रभावी राजस्व घाटा = राजस्व घाटा - पूंजीगत संपत्ति के निर्माण के लिए अनुदान** पूंजीगत संपत्ति के निर्माण के लिए अनुदान को "केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों, संवैधानिक प्राधिकरणों या निकायों, स्वायत्त निकायों और अन्य को दिए जाने वाले सहायता अनुदान के रूप में परिभाषित किया गया है। उक्त संस्थाओं के स्वामित्व वाली पूंजीगत संपत्ति के निर्माण के लिए योजना कार्यान्वयन एजेंसियां, जैसे मनरेगा के तहत दिए गए अनुदान, पीएम ग्राम सड़क योजना, आदि।

Monetized Fiscal Deficit / मुद्रिकृत राजकोषीय घाटा

Monetized Fiscal Deficit is that part of the fiscal deficit which is covered by borrowing from the Reserve Bank of India (RBI). Now, this is not followed in India, so there is no monetized fiscal deficit in India.

मुद्रिकृत राजकोषीय घाटा राजकोषीय घाटे का वह हिस्सा है जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से उधार लेकर कवर किया जाता है। अब, भारत में इसका पालन नहीं किया जाता है, इसलिए भारत में कोई मुद्रिकृत राजकोषीय घाटा नहीं है।

